



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 644]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 29, 2010/अग्रहायण 8, 1932

No. 644]

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 29, 2010/AGRAHAYANA 8, 1932

नागर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 2010

सा.का.नि. 928(अ).—चूँकि, वायुयान नियम, 1937 में संशोधन करने के प्रस्ताव का प्रारूप, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 14 की अपेक्षानुसार भारत सरकार, नागर विमानन मंत्रालय की दिनांक 11 अक्टूबर, 2010 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 831(अ) के द्वारा प्रकाशित किया गया, जिसे ऐसे सभी व्यक्तियों जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, से राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस दिन की अवधि की समाप्ति से पूर्व आक्षेप और सुझाव आमंत्रित करते हुए इसकी प्रतियां सार्वजनिक रूप से उपलब्ध करायी गईं;

और चूँकि उक्त अधिसूचना की प्रतियां दिनांक 12 अक्टूबर, 2010 को सार्वजनिक रूप में उपलब्ध करा दी गई थीं;

और चूँकि प्रारूप नियमों पर उक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट अवधि में किसी भी व्यक्ति से कोई भी आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त वायुयान अधिनियम की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वायुयान नियमावली, 1937 में आगे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, नामशः :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (खतरनाक माल का वहन) संशोधन नियम, 2010 है।
- (2) ये राजपत्र में अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. वायुयान (खतरनाक माल का वहन) नियम, 2003 (जिसे इसके पश्चात् "उक्त नियम" कहा गया है) के नियम 12 के उप-नियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उप-नियमों को अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(3) उप-नियम (2) में निर्दिष्ट प्रशिक्षण की विधिमान्यता की अवधि उस प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूर्ण होने की तारीख से चौबीस मास होगी।

(4) आवर्तन प्रशिक्षण की दशा में, प्रशिक्षण की विधिमान्यता की अवधि, पूर्ववर्ती प्रशिक्षण की समाप्ति की तारीख से प्रारंभ होगी इस शर्त के अधीन रहते हुए कि आवर्तन प्रशिक्षण, पूर्ववर्ती प्रशिक्षण की समाप्ति की तारीख से पूर्व अधिकतम तीन मास से अनधिक की अवधि के भीतर सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया हो।

(5) उप-नियम (4) में विनिर्दिष्ट उन दशाओं से भिन्न में, आवर्तन प्रशिक्षण की विधिमान्यता की अवधि आवर्तन प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूर्ण होने की तारीख से प्रारंभ होगी।"

3. उक्त नियमों के नियम 13 को उसके उप-नियम (1) के रूप में संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार संख्यांकित उप-नियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित उप-नियमों को अंतःस्थापित किया जाएगा, नामशः :—

"(2) प्रारूप को, उन सभी व्यक्तियों से, जिनके इससे प्रभावित होने की संभावना है, आक्षेपों व सुझावों को आमंत्रित करने के लिए तीस दिन की अवधि हेतु नागर विमानन महानिदेशालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराने के पश्चात् उप-नियम (1) के अधीन नागर विमानन अपेक्षाएं जारी की जाएंगी।

परन्तु महानिदेशक, लोकहित में और लिखित में आदेश द्वारा, ऐसे आक्षेपों व सुझावों को आमंत्रित करने की अपेक्षा में छूट प्रदान कर सकेंगे।

(3) उप-नियम (1) के अधीन जारी प्रत्येक निर्देश का अनुपालन ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों द्वारा किया जाएगा जिनके लिए ऐसे निर्देश जारी किए गए हैं।

- (4) यदि कोई व्यक्ति उप-नियम (1) के अधीन जारी किसी निर्देश का अनुपालन करने में असफल रहता है तो वह ऐसी अवधि के लिए कारावास से, जो छह मास तक का हो सकेगा या जुर्माने से जो दो लाख रुपये तक का हो सकेगा, या दोनों से, दंडनीय होगा।”

4. उक्त नियमों के नियम 15 में “इन नियमों के उपबंधों का उल्लंघन किया है या पालन करने में असफल रहा है,” शब्दों के स्थान पर “इन नियमों के उपबंधों या नियम 13 के अधीन जारी किए गए किसी निर्देश का उल्लंघन किया है या पालन करने में असफल रहा है,” शब्द रखे जाएंगे।

[फा. सं. 11012/9/2010-ए]

प्रशांत सुकुल, संयुक्त सचिव

टिप्पण :-मूल नियम, भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 206(अ) तारीख 5 मार्च, 2003 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् सा.का.नि. 795(अ), तारीख 6 अक्टूबर, 2003, सा.का.नि. 796(अ) तारीख 6 अक्टूबर, 2003, सा.का.नि. 600(अ), तारीख 27 सितम्बर, 2006, सा.का.नि. 231(अ), तारीख 19 मार्च, 2007 तथा सा.का.नि. 823(अ), तारीख 12 नवम्बर, 2009 द्वारा संशोधन किए गए थे।

MINISTRY OF CIVIL AVIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 29th November, 2010

G.S.R. 928(E).—Whereas the draft of Aircraft (Amendment) Rules, 2010 further to amend the Aircraft Rules, 1937, was published, as required by Section 14 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Civil Aviation number G.S.R. 831(E), dated 11th October, 2010, for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of the period of thirty days from the date on which copies of the Gazette of India in which the said notification was published, were made available to public;

And whereas copies of the said notification were made available to the public on the 12th October, 2010;

And whereas no objections or suggestions have been received from any person in respect of the draft rules within the period specified in the said notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 5 of the said Aircraft Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely :—

1. (1) These rules may be called the Aircraft (Carriage of Dangerous Goods) Amendment Rules, 2010.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Aircraft (Carriage of Dangerous Goods) Rules, 2003 (hereinafter referred to as the “said rules”), in rule 12, after sub-rule (2), the following sub-rules shall be inserted, namely :—

“(3) The period of validity of the training referred to in sub-rule (2) shall be twenty-four months from the date of successful completion of the training.

(4) In case of the recurrent training, the period of validity of the training shall commence from the date of expiry of the previous training subject to the condition that the recurrent training has been successfully completed within a period of not more than three months prior to the date of expiry of the previous training.

(5) In cases other than those referred to in sub-rule (4), the period of validity of the recurrent training shall commence from the date of successful completion of the recurrent training.”

3. Rule 13 of the said rules shall be numbered as sub-rule(1) thereof and after sub-rule (1) so numbered, the following sub-rules shall be inserted, namely :—

“(2) The Civil Aviation Requirements under sub-rule(1) shall be issued after placing the draft on the website of the Directorate General of Civil Aviation for a period of thirty days for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby :

Provided that the Director-General may, in public interest and by order in writing, dispense with the requirement of inviting such objections and suggestions.

(3) Every direction issued under sub-rule(1) shall be complied with by the person or persons to whom such direction is issued.

(4) If any person fails to comply with any direction issued under sub-rule (1), he shall be punishable with imprisonment for a term which may extend to six months or with fine which may extend to two lakh rupees, or with both.”

4. In rule 15 of the said rules, for the words “has contravened or failed to comply with the provisions of these rules, he may”, the words “has contravened or failed to comply with the provisions of these rules or any direction issued under rule 13, he may” shall be substituted.

[F. No. 11012/09/2010-A]

PRASHANT SUKUL, Jt. Secy.

Note :—The principal rules were published in the Gazette of India *vide* notification number G.S.R. 206(E), dated the 5th March, 2003 and were subsequently amended *vide* number G.S.R.795(E) dated the 6th October, 2003, No. G.S.R.796(E), dated the 6th October, 2003, No. G.S.R.600(E), dated the 27th September, 2006, No. G.S.R. 231(E), dated the 19th March, 2007 and No. G.S.R. 823(E) dated the 12th November, 2009.